

अगले 16 साल में खाने लायक नहीं
रहेंगे गहुं-चवल, क्वालिटी में भारी गिरावट

एक स्टडी में हुआ खुलासा अनाज नहीं जहर खा रहे भारत के लोग



चावल और गेहूं की फूड वैल्यू में 45 प्रतिशत तक गिरावट साफ हुआ कि ज्यादा पैदावार वाली किस्मों को विकसित करने पर केंद्रित कार्यक्रमों ने चावल और गेहूं के पोषक प्रखर नई दिल्ली/एजेंसी। तत्वों को इस हद तक बदल इस वक्त देश में खाए जाने दिया है कि उनकी फूड वैल्यू वाले चावल और गेहूं में पोषक और पोषण मूल्य कम हो गया तत्वों की भारी कमी हो गई है। भारतीय कृषि अनुसंधान अर्थ 'डाउन हूं' भैंगजीन परिषद के वैज्ञानिकों के नेतृत्व में हाल में हुई एक स्टडी से में मूलाधिक पिछले 50 साल से भारत खाद्य सुरक्षा हासिल

करने के लिए उद्देश्य फसलों की उपज में किया गया, तो अनाज में तेजी से ज्यादा सुधार लाना था। 1980 के दशक जस्ता और लोहे की मात्रा उपज दे ने के बाद कृषि वैज्ञानिकों ने अपना कम पाई गई प्रयोगों से पता चावल ध्यान ऐसी किस्मों को विकसित चला है कि चावल और गेहूं और गेहूं की करने पर केंद्रित कर दिया जो की आधुनिक नस्लें मिट्टी में किस्मों को कीटों और बीमारियों के लिए उपलब्ध होने के बावजूद आगे बढ़ा रहा प्रतिरोधी हों और खारेपन, नमी जस्ता और लौह जैसे पोषक हैं।

और सूखे जैसे हालातों को सहन तत्वों को मिट्टी से निकालने कर सकें। इसके कारण में कम कुशल हैं। भारत में वैज्ञानिकों को यह सोचने का लोगों की दैनिक ऊर्जा मौका ही नहीं मिला कि पौधे जरुरतों का 50 फीसदी से में चावल में जिंक का और आयरन जैसे जरुरी पोषक तत्वों की मात्रा में क्रमशः 33 फीसदी और 27 फीसदी की गेहूं में जिंक और आयरन में 30 फीसदी और 19 फीसदी की कमी आई है। भारत में हरित क्रांति का लक्ष्य देश की तेजी से बढ़ती आबादी को खाना मुहैया कराना और खाद्य उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनना था। अतः कृषि वैज्ञानिकों का मुख्य

उद्देश्य फसलों की उपज में किया गया, तो अनाज में सुधार लाना था। 1980 के दशक जस्ता और लोहे की मात्रा के बाद कृषि वैज्ञानिकों ने अपना कम पाई गई प्रयोगों से पता चावल ध्यान ऐसी किस्मों को विकसित चला है कि चावल और गेहूं और गेहूं की करने पर केंद्रित कर दिया जो की आधुनिक नस्लें मिट्टी में किस्मों को कीटों और बीमारियों के लिए उपलब्ध होने के बावजूद आगे बढ़ा रहा प्रतिरोधी हों और खारेपन, नमी जस्ता और लौह जैसे पोषक हैं।

और सूखे जैसे हालातों को सहन तत्वों को मिट्टी से निकालने कर सकें। इसके कारण में कम कुशल हैं। भारत में वैज्ञानिकों को यह सोचने का लोगों की दैनिक ऊर्जा मौका ही नहीं मिला कि पौधे जरुरतों का 50 फीसदी से मिट्टी से पोषक तत्व ले रहे हैं या अधिक चावल और गेहूं ही नहीं। इसलिए समय के साथ पूरा करते हैं। जबकि पिछले पौधों ने मिट्टी से पोषक तत्व लेने 50 साल में इनकी फूड वैल्यू की अपनी क्षमता खो दी है, में 45 प्रतिशत तक गिरावट इसके बारे में 2023 में कराया आई है। माना जा रहा है कि गया ता जा अद्ययन न इसकी दर से अगर चावल आईसीएआर और विधान चंद्र और गेहूं की क्वालिटी में वैज्ञानिकों द्वारा किए गए 2021 तक देश में यह इसानों के के अध्ययन को ही आगे बढ़ाता उपभोग के लिए बेकार हो है। अध्ययन में साफ कहा गया जाएगा। अध्ययन में यह भी कि अनाज पर निर्भर आबादी में पता चला कि चावल में जिंक और आयरन की कमी के जहरीले तत्व आर्सेनिक की कारणों पर गौर किया गया। जब मात्रा 1,493 फीसदी बढ़ गई अधिक उपज देने वाले चावल है।

और गेहूं की किस्मों का परीक्षण

कम समय में मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए 102 व 108 एंबुलेंस के पायलट हुए सम्मानित



प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। और 108 एम्बुलेंस जो मरीज को विवक रिस्पांस करते हुए उनके मौजूदा स्थल से पास के स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंच कर उन्हें जीवन दान देने का काम करती है। उनके अधिकारी और कर्मचारियों ने भी इस पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस मौके पर बैनर पायलट का

अवार्ड भी दिया गया। जिला प्रभारी संदीप चौधेरी ने बताया कि 26 जनवरी के पावन पर्व को हम सभी लोगों ने काफी खुशी के साथ मनाया। इस दौरान मरीज को विवक रिस्पांस कर स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचा कर उनकी जान बचाने के साथ ही साथ गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में प्रथम रहे पायलट राम प्रवेश को बेस्ट पायलट का पुरस्कार देखकर उनका हौसला अफजाई किया गया। ताकि अन्य पायलट भी मरीज को कम से कम समय में स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाएं। इस अवसर पर ब्लॉक प्रभारी दीपक कुमार राय, अखड़ प्रताप, अरविंद कुमार सहित अन्य कर्मचारी एंबुलेंस के पायलट और इमरजेंसी मेट्रिक्यूल टेक्नीशियन मौजूद रहे।

आटा लेने निकले युवक की टाटा मैजिक की मौके पर जाकर करे निस्तारण- डीसीपी
टक्कर से सड़क दुर्घटना में मौत, एक गंभीर घायल



पर ही निस्तारण
किया। डीसीपी
के समक्ष सिधौरा
के कुछ किसान
स्वच्छ पेयजल
मिशन के तहत

ज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइक के साथ ऑटो को मारी टक्कर, 7 की मौत

हादसे के बाद स्कॉर्पियो में सवार लोग भागे



स्कॉपियो जगदलपुर से ओडिशा की तरह जा रही थी। इस दौरान सिंगल लेन सड़क पर स्कॉपियो ने पहले सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इसके बावजूद चार पहिया गाड़ी यही नहीं रुकी और वह आगे एक ऑटो से भिज गई। इस दौरान एक दूसरी बाइक भी फोर व्हीलर से जटकराई। दुर्घटना के बावजूद स्कॉपियो सड़क के किनारे स्थित खेत में जाकर रुक गई, जबविं ऑटो पलट गया। हादसे में ३ लोगों की मौत पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोगों ने

માનવ વાર્તા માનવીયાન !

मौके पर ही मौत हो गई वही हो गया है। थानाध्यक्ष मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा खानपुर प्रवीण यादव ने शिवम बुरी तरह घायल हो गया। बताया कि मामला सज्जान वही घटना के बाद मैजिक चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। घटना की सूचना पर पहुँची खानपुर पुलिस ने घायलों को इलाज हेतु सेंदपुर स्थित निजी चिकित्सालय भेजवाया जहाँ शनि कुमार को दानाजिराता रखा गया। बैठा थानाध्यक्ष मैं हूँ शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। गाड़ी को कब्जे में लेकर परिजनों के तहरीर पर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पुलिस उपायुक्त गोमती जौन प्रबल प्रताप सिंह ने शनिवार को फूलपुर व सिंधोरा थाने पर आयोजित समाधान दिवस पर फरियादियों की समस्या स्वयं सुनी और उसके त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। दोपहर 12 सवा बजे फूलपुर थाने पर पहुचे डीसीपी ने पूर्व में आये निस्तारण के रजिस्टर को देखा और फरियादियों के समस्या समाधान की भी एक कॉपी देने और संतुष्ट करने का निर्देश दिया। उसके बाद मौके पर आए 8 प्रार्थना पत्रों की सुनवाई करते हुए मौके पर दो प्रार्थना पत्र का निस्तारण किया। उसके बाद सिंधोरा थाने पर पहुचे जहाँ दो मामलों उनके समक्ष आये। जिसे मौके टँकी को उनके जमीन में बनाये जाने की शिकायत की। जिसपर मौके पर उपस्थित राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने कहाकि इसका सीमांकन हो चुका है वह बंजर जमीन है। जिसपर किसान संतुष्ट हुए। वही दिनदासपुर के ग्राम प्रधान ने शिकायत कि सरकारी चकरोड को बनने में कुछ लोग बांधा उत्पन्न करने की आशंका जताई। जिसपर राजस्व व पुलिस को मौके पर जाकर निस्तारण करने का निर्देश दिए। इस दौरान एसीपी पिंडरा प्रतीक कुमार, नायब तहसीलदार राधे श्याम यादव, फूलपुर इंस्पेक्टर संजय मिश्रा, सिंधोरा थानाध्यक्ष अखिलेश वर्मा के अलावा राजस्व विभाग के कानूनगो व लेखपाल उपस्थित रहे।

A photograph of a road accident. A white SUV is positioned diagonally across the frame, having collided with a yellow auto-rickshaw. In front of the SUV, a motorcycle lies on its side. Another motorcycle is visible in the background, and a few people are standing near the vehicles. The road has white dashed lines and appears to be a two-lane asphalt road.

साहित्य अध्ययन और मनन जीवन की उत्कृष्टता का सन्मार्ग

साहित्य अध्ययन, उन्नयन मनुष्य के जीवन में उत्कृष्टता का आधार होता है। साहित्य सदैव मनुष्य के जीवन में संबंदना, संवेदनशीलता एवं मानवता लाने का उत्कृष्ट कार्य करता है। हमारा साहित्य, भाषा, हमें आत्मिक गौरव का सदैव अभिभाष करती है। इसीलिए जीवन में साहित्यिक पुस्तकों का विशेष महत्व है। सत्साहित्य और भाषा से जीवन गरिमा और गहरी संवेदना लिए हुए होता है। वस्तुत अच्छा साहित्य का वाचक, एक प्रशासक, एक अच्छा अभिनेता और एक अच्छा राजनेता बन सकता है। पर दूसरी तरफ एक अच्छा राजनेता, अच्छा प्रशासक, अच्छा अभिनेता बिना भाषा ज्ञान और साहित्यिक मनन के अच्छा साहित्यकार या उत्कृष्ट मानव नहीं हो सकता है। इसके लिए मनुष्य के जीवन में साहित्य के अध्ययन, मनन और वित्तन की आवश्यकता होती है। क्योंकि साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा-निराशा, उत्थान और पतन का स्पष्ट परिवेश स्वभेद उपस्थित रहता है। साहित्य की इन्हीं सब खूबियों के कारण उसे समाज का प्रतिबिंब कहा जाता है। साहित्य सर्वमान रूप से एक स्वायत्त आत्मा ही है, और साहित्य का रचयिता खुद स्वयं यह नहीं बता सकता कि साहित्य किसके जीवन में कब और क्या क्या परिवर्तन ला सकता है। मूलतः साहित्य सत्य के अन्वेषण की साधना और सौंदर्य की अभियंजना भी है। विशुद्ध जीवन एवं उच्च सत् साहित्य मानव और समाज की संवेदना और उसकी सहज व्यक्तियों को युगों तक आने वाली पीढ़ियों में संचारित करता रहता है। और यही वजह है कि शेक्सपियर, तुलसीदास की कृतियां आज भी लोगों के हृदय में राज करती हैं। वैशिक स्तर पर मनुष्य कितने ही जाति, राजनीति और भौगोलिक तौर पर अनेक गुटों में बट जाए, पर साहित्यिक धरातल एवं परिसीमा में सब एक हैं, सभी का बराबरी का दर्जा है। साहित्य मनुष्य को मानव और एक सहृदय व्यक्ति बनाना सिखाता है। दुनिया के सभी इंसान एक है, उनकी प्रवृत्तियां भी एक जैसी ही हैं। साहित्य सभी मानव में संवेदना भरकर करुणा, दया तथा परस्पर स्नेह के भाव पैदा करता है। साहित्य समय की धारा से अछूता नहीं रह सकता है। साहित्यकार उस समय काल की धारा में बैठकर उस समय की पीड़ा, संत्रास और उत्पीड़न को लेकर अपनी रचनाएं करता है, और समाज को एक परिष्कृत वातावरण बनाने के लिए प्रेरित करता है। जिस समाज में साहित्यिक परंपरा विशाल एवं समृद्ध है, वह समाज हमेशा से जीवंत और प्रगतिशील माना गया है। सत् साहित्य सदैव मानवी सहज प्रवृत्तियों के साथ समय की धारा के साथ परिवर्तित एवं परिमार्जित होता रहा है। और यही कारण है कि एक अच्छा साहित्यकार एक अच्छा मनुष्य माना जाता है। और उसकी कृति युगों युगों तक जनमानस को प्रेरित, उत्प्रेरित तथा उत्साहित करती रहती है। साहित्य भविष्य की रूपरेखा वर्तमान को सामने रखकर सुनिश्चित करते हुए मानव के सोए हुए विवेक शक्ति को जागृत करने का प्रयास करता है। और श्रेष्ठतम साहित्य में मनुष्य के भीतर तथा बाहर के सार्वभौमिक मूल्यों, संदेशों और उद्देश्य को अंतर्निहित किए रहता है। यही कारण है कि कबीरदास, रविंद्र नाथ टैगोर, जयशंकर प्रसाद, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन मानवीय चेतना के चित्रे रे साहित्यकार माने गए और उन्हें युगों युगों तक याद किया जाता रहे गा। वास्तव में जीवन साहित्य का आधार है, वाहे वह व्यक्ति विशेष का हो, परिवार का हो, समाज का हो, राज्य का हो या राष्ट्र का हो या संपूर्ण विश्व का जीवन के बिना साहित्य की कल्पना ही असंभव और साहित्य की समृद्धि बिना जीवंत समाज का सम्प्यक विकास असंभव है। साहित्य, भाषा, संबंदना जीवन का मेरुदंड है। जिंदगी में यथार्थवाद समाविष्ट रहता है और साहित्य आशावादी दृष्टिकोण से परिपूर्ण रहता है, इस तरह जीवन में यथार्थवाद और आशावाद एक दूसरे के पर्याय तथा पूरक हैं। साहित्य वैसे तो मानवीय जीवन में, जो है और जो होना चाहिए उसके बीच का एक जरिया ही है। स । हि त्य अ प नी परिकल्पना उसे मानवीय समाज में मानवीय संबंधों के सुधार की जो आवश्यकता है, उस को रेखांकित करता है। चढ़ती है।

कल्याण में सजी कवियों की महफिल, भजन गीत मंदिर बना अभिराम की हुई लाँचिंग



प्रखर कल्याण। स्व. एम. जे. पंडित चौरिटेबल द्रस्ट एवं ओम शिवम सत्संग द्रस्ट के संयुक्त तत्त्वावधान में गणतंत्र दिवस पर काव्य गोष्ठी नसिस्त और भजन गीत शमदिर बना अभिरामश की लांचिंग यशोदा हॉल, जोशीबाग कल्याण प. में किया गया। इस मौके पर अग्रवाल और सोनावणे कॉलेज के संस्थापक एवं जनरल सेक्रेटरी डॉ. विजय पंडित ने कहा कि वर्तमान में महाराष्ट्र में एक विकट संकट बहुत नजदीक आता दिख रहा है। एक तरफ मराठा और दूसरी तरफ ओबीसी आरक्षण की बात चल रही है। हम तो ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि जल्द ही कोई रास्ता निकले और हमारा समाज विभाजित जाता हैं किसी की झील जैसी आँखों में अक्सर ढूब जाता है शिकायत है सबसे है पर किसी से कह नहीं सकता, बहुत गुस्सा आता है तो खुद से रुठ जाता है... इन पंक्तियों को पेश करते ही कवियों की महफिल में चार चांद लग गया। और तालियों की गड़गङ्गाहट से पूरा हाल गूंज उठा। इस समय अन्य कवियों ने भी अपनी स्वरचित रचनाएं प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। इस मौके पर अग्रवाल कॉलेज के उप प्राचार्य डॉ. राज बहादुर सिंह, सोनावणे कॉलेज के द्रस्टी श्रीचंद केसवानी, सुनील कुकरेजा का यथोचित सम्मान किया गया। कार्यक्रम के संयोजक रिटेल ग्रेन मर्चेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हृदय पंडित, सरयूपारीण ब्राह्मण मंच फाउंडेशन के द्रस्टी अमित वही बात भूल तिवारी, अंकित जायसवाल, विनीत तिवारी सहित बड़ी संख्या में कविता प्रेरणा उपस्थित थे। संचालन अग्रवाल कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष मिश्रा ने किया। देश के 75 वें प्रजासत्ताक दिन निमित्त 26 जनवरी के दिन आयोजित इस कार्यक्रम में ओमप्रकाश पांडेय इन मन्त्र, मुरलीदार तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार राकेश पांडेय (नवभारत) आदि मान्यवर मंच पर विराजमान थे।

काव्य गोष्ठी – नसिस्त का सूत्र संचालन डॉ मनीष मिश्रा ने किया। कवि अफसर दकनी, उमेश शर्मा, बिलाल रौनक, राज बुंदेली, मनोज उराइ, संयोजक रिटेल ग्रेन मर्चेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष हृदय पंडित, सरयूपारीण ब्राह्मण मंच फाउंडेशन के द्रस्टी अमित

मनोरंजन भरपूर !

राजनितिक उथल—पुथल ।
 बदल रही तस्वीर ॥
 हर पल नया घट रहा ।
 लगे हैं सारे वीर ॥
 बदलेगी सरकार लगता ।
 है ऐसी सुर ताल ॥
 हैं बेचौन सारे ।
 करने को कमाल ॥
 घटनाक्रम कछु ऐसा ।
 मनोरंजन भरपूर ॥
 दिख जाएगा खेला
 पल नहीं वो दूर ॥
 बोल बचन सबका ।
 है चढ़ा परवान ॥
 हटा न कोई पीछे ।
 सब डटे मैदान ॥

A portrait of Krunal Pandya, a man with dark hair and glasses, wearing a white shirt. He is looking towards the right of the frame. In the background, there is a blue banner with a woman's face and some text, and a colorful cartoon character on the right.

समाजसेवियों ने 200 जरूरतमंदों में बांटा कंबल



प्रखर वाराणसी। 75 वां गणतंत्र दिवस के अवसर पर राम नारायण सेवा ट्रस्ट के तत्त्वाधाम में गणतंत्र दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। सर्व प्रथम समारोह के मुख्य अतिथि कौशलेंद्र सिंह पटेल पूर्व मेयर एवं पूर्व राष्ट्रीय पिछड़ा आयोग के सदस्य ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि कौशलेंद्र सिंह पटेल को राम नारायण सेवा ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक अवधेश कुमार उपाध्याय स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र भेंट कर अभिवादन किया।

10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का हुआ समापन



मेरे 20
लोगों को
प्रशिक्षण
दिया।
भारत
सरकार
की
महत्वपूर्ण
योजना
मधुक्रांति
पालन को
आत्मनिर्भर
की आय
भूमिहीन
जगार से
प्रशिक्षण

11 एनडीआरएफ वाराणसी ने कार्मिकों को सम्मानित कर फहराया राष्ट्रीय ध्वज



प्रखर पूर्वाचल वाराणसी। 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 11 एनडीआरएफ वाराणसी ने अपने वाहिनी मुख्यालय परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया द्य इस उपलक्ष्य पर वाहिनी के रेस्क्यूअर्स को विभिन्न प्रकार की आपदाओं में उत्कृष्ट राहत एवं बचाव कार्य करने के लिए महानिदेशक मेडल एवं प्रशंसा पत्र, एनडीआरएफ मेडल, आंतरिक सुरक्षा पदक एवं उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मनोज कुमार शर्मा उप महानिरीक्षक 11 एनडीआरएफ ने बल के कर देने वाले इतिहास में कई लोगों ने अपने प्राण न्योछावर करते हुए हमें एक गणतंत्र राज्य दिया है और इसे सुंदर और सुरक्षित रखना हमारा परम कर्तव्य है द्य भारत का संविधान सभी देशवासियों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों से रुबरु कराता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। 11 एनडीआरएफ ने उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में आई आपदाओं में अपनी कुशलता और सेवा भावना से लाखों लोगों के जीवन की रक्षा की है एनडीआरएफ अपने ध्येय वाक्य जनित आपदाओं से निपट हेतु हम सभी के लिए बहु ही सौभाग्य की बात है कि एनडीआरएफ के बचाव कर्मी के रूप में देश स्तर तक इतने बृहद रूप के आयोजन के दौरान सेवा करने का मौका मिला। अभी भी एनडीआरएफ की तीन टीम अयोध्या में तैनात है जिसका एक टीम के मिकर बायोलॉजिकल डियोलॉजिकल एवं न्यूकिल यर आपदा (सीबीआरएफ) के लिए वहीं दूसरी टीम कॉलेज स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू

(साएसएसआर) से सबाधत आपदाओं से निपटने के लिए सभी प्रकार के अत्यधिक राहत बचाव उपकरणों के साथ तथा तीसरी टीम को सरयू नदी में विभिन्न घाटों पर रेस्क्यू मॉटर बॉट, गोताखोर, पैरामेडिक, लाइफ जैकेट इत्यादि के साथ तैनात है उन्होंने आगे कहा कि प्रयागराज के गंगा-यमुना के संगम तट पर माघ मेला के शुभ अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक भ्रमण पर आ रहे हैं एवं त्रिवेणी संगम पर आस्था की डुबकी लगा रहे हैं। प्रयागराज में होने वाले माघ मेले को अर्ध कुंभ मेला भी कहा जाता है पुरे माघ मेला के दौरान प्रयागराज के प्रमुख घाटों पर एनडीआरएफ टीमों को तैनात किया गया है साथ ही एनडीआरएफ के द्वारा मिला क्षेत्र में चिकित्सा शिविर भी लगाया गया है एवं जरूरतमंद श्रद्धालुओं को चिकित्सा सहायता प्रदान कि जा रही है। इस अवसर पर उप महानिरीक्षक ने बल के सभी कार्मिकों और उनके परिवारजनों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की उन्होंने काशी वासियों को भी 75वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें देते हुए सबसे अपील की कि आपदाओं के प्रति हमेशा जागरूक रहें एवं सतर्क रहें। कार्यक्रम के अंत में एनडीआरएफ के जय उद्घोष एनडीआरएफ का एक ही मंत्र आपदा सेवा सदैव सर्वत्र के साथ कार्यक्रम को सम्पन्न किया गया।

'75 वें गणतंत्र दिवस' पर उदया इंटरनेशनल स्कूल में एमडी उदय राज तिवारी के गरिमामई उपस्थिति में हुआ ध्वजरोहण, भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन



प्रखर संतकबीरनगर। नेशनल हाइवे 28 पर भूजैनी में स्थित उदया इंटरनेशनल स्कूल के प्रांगण में भारत के 75 वें गणतंत्र दिवस का महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। गणतंत्र दिवस के इस कार्यक्रम की शुरुआत उदया इंटरने शानल स्कूल के प्रधानाचार्य एसके त्रिपाठी एवं प्रबंधक उदय राज तिवारी का स्वागत तिलक लगाकर एवं पृष्ठगुच्छ देकर किया गया समान दिया गया। इस महोत्सव के उपलक्ष्य में उदया इंटरनेशनल स्कूल के छात्र-छात्राओं के द्वारा अनेक मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिन्होंने

ऐसा समा बाधा कि समस्त उपरिथित जन मंत्रमुग्ध हो गए। इस कार्यक्रम के विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता निभाने वाले आदरणीय शिक्षक बंधुओं एवं बाल स्वरूप छात्र-छात्राओं का योगदान सराहनीय रहा देश रंगीला गीत को प्रस्तुत करने के लिए अंशिका, अंशी, आरुषि, आराय्य में भाग लिया। सारे जहां से अच्छा जीत की प्रस्तुति शुरुधि मिश्रा, सुचिता यादव, इकरा बानो दिया। गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि हम एक साथ हैं और एक ही भारतीय परिवार के सदस्य हैं। साथ ही हम एक नए राष्ट्र के निर्माण के लिए एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। भारत में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाया जाता है। इस दिन, साल 1950 में भारतीय संविधान लापू किया गया था और भारत गणराज्य की स्थापना हुई थी। यह दिन उन महापुरुषों की याद में

राजधानी में आयोजित झांकी में हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर रघुबरगंज का हुआ प्रदर्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 26 जनवरी को पूरे देश में 75 वा गणतंत्र दिवस मनाया गया। जिसको लेकर हर भारतीय में एक अलग तरह का उल्लास देखने को मिला। लेकिन यह गणतंत्र दिवस गाजीपुर के स्वास्थ्य विभाग में एक अलग खुशी उस वक्त लेकर आया। जब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहम्मदाबाद का हेत्थ एंड वैलनेस सेंटर जिसे अब आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र रघुवर गंज के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रदर्शन स्वास्थ्य विभाग के द्वारा राजधानी लखनऊ में निकाले गए गणतंत्र दिवस के परेड में शामिल हुआ। जैसे ही इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को हुई तो सभी ने इस खुशी के मौके को अपने—अपने तरीके से सेलिब्रेट किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल ने इस अवसर पर केंद्र को इस स्थान तक पहुंचाने में लगे सभी अधिकारी और कर्मचारियों को बधाई दिया। जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रभु नाथ ने बताया कि हेत्थ एंड वैलनेस सेंटर रघुवरगंज को इस मुकाम तक पहुंचने में काफी मेहनत करनी पड़ी। जिसके परिणाम के रूप में यह रिजल्ट निकल कर आया की 87: प्रकार रघुवरगंज जहां प्रथम स्थान पर रहा। वही 79: पाकर हेत्थ एंड वैलनेस सेंटर कल्याणपुर शंकरगढ़ प्रयागराज दूसरे स्थान, तीसरे स्थान पर प्रयागराज का हेत्थ एंड वैलनेस सेंटर भद्री रहा और चौथे स्थान पर 74: अंक पाकर गोंडा का सेंटर रहा। उन्होंने बताया की इस उपलब्धि में ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक संजीव कुमार एवं जनपद क्वालिटी टिम अनिल कुमार की भुमिका अहम रही। चिकित्सा अधीक्षक डॉ आशीष राय ने बताया कि कायाकल्प की तर्ज पर स्वास्थ्य विभाग में क्वालिटी एश्योरेंस कार्यक्रम चलाया जाता है। जिसको लेकर पिछले दिनों नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस की टीम गाजीपुर जनपद के भ्रमण पर आई थी। इन लोगों ने भारत सरकार के द्वारा दिए गए मानक पर इस केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के उपरांत अपर सचिव मिशन निदेशक भारत सरकार एलएस चौहान का पत्र विभाग को प्राप्त हुआ। जिसमें रघुवरगंज को 87:अंक देकर प्रथम स्थान दिया गया। साथ ही साथ 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी में निकलने वाली झांकी में इस केंद्र का प्रदर्शन भी किया गया। जो हम सभी के लिए गर्व की बात है की उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों में से गाजीपुर जनपद का नाम राज्य के झांकी में प्रदर्शित हुआ।

गई। सांस्कृतिक कार्यक्रम मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे थे सभी विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था यह हम सभी के लिए बहुत गौरव का क्षण था कि देश अपना 75वां गणतंत्र दिवस मना रहा है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र एवं छात्राएं हाथ में तिरंगा लेकर बहुत ही उत्साहित नजर आ रहे थे व्य पूरा विद्यालय तीन रंगों में समाया हुआ था तथा सभी छात्र एवं छात्राओं में अपार जो शा दे खाने को मिला रंगारंग कार्यक्रम के पश्चात उदया इंटरनेशनल स्कूल के प्रबंधक उदय राज तिवारी ने सभी शिक्षकगण व विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई दी द्य उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि आज हम सभी एक बहुत महत्वपूर्ण दिन को मनाने के यहां एकत्रित हुए हैं, जिसने हमें एक मजबूत राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ने का अवसर बाद भारत गणराज्य बन गया। तत्पश्चात उन्होंने कार्यक्रम के सफल एवं भव्य आयोजन के लिए सभी विद्यार्थियों व शिक्षकगण की भूरी- भूरी प्रशंसा की द्यांत में विद्यालय की प्रधानाचार्या एसके त्रिपाठी ने सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए मुख्य अतिथि का आभार प्रकट किया और कहा कि यह पर्व हमारी एकता, सम्पन्नता और गौरव का प्रतीक है। जो संविधान हमें इतनी मुश्किलों से मिला है, उसे सहेज कर रखने की जरूरत है। हमें अपने देश की विकास-यात्रा का साथी बन उसे और भी समृद्ध बनाना है। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन कियाया कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त अध्यापकों ने अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

३ विविध / आसपास

प्रखर पूर्वांचल, २८ जनवरी २०२४ दिन रविवार

स्मार्ट फोन पाकर खिले छात्रों के चेहरे



प्रखर जखनिया गाजीपुर खिल गए। सरोज मिश्रा ने क्षेत्र के सुखदेव किसान बताया कि यह स्मार्टफोन पीजी कॉलेज फॉलपुर में जागरूक छात्र-छात्राओं को स्वामी विवेकानन्द युवा जीवन में पठन-पाठन के लिए बहुदीर्घी लाभ है। बस छात्रों का जानकारी हासिल करने छात्र छात्राओं को आवश्यकता है। इसासन स्मार्टफोन का विवरण की मंथा है कि गरीब छात्रों युवाओं के हाथ में स्मार्टफोन देकर उन्हें देश दुनिया की मिलते ही छात्रों के चेहरे अत्यधिक जानकारी के साथ

अन्नपूर्णा ऋषिकुल में धूमधाम से मना ७५वां गणतंत्र दिवस

महंत शंकर पूरी ने भारतीय करने का दिन है, मैं उन महान तिरंगा फहराया और झंडे क्रत्तिकारियों को नमन करता हूँ। जिन्होंने अपने जीवन का बलिदान दिया ताकि हम

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। लोकतांत्रिक राष्ट्र में रह सकें शिवपुर थाना स्थित जय हिंद द्य इसके बाद अन्नपूर्णा मठ मंदिर द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में वैदिक संचालित अन्नपूर्णा शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों ने लघु ऋषिकुल ब्रह्मचर्य आश्रम में नाटक और देश भक्ति की कई धूमधाम से गणतंत्र दिवस कविता सुनकर सभी को मनाया गया। इस मौके पर मंत्रमुद्धा कर दिया। महंत शंकर पूरी ने ७५ वें सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद गणतंत्र दिवस पर झंडा सेकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण रोहण कर सलामी दी दी किया। मुख्य रूप से आयुरोष इस औसत पर महंत ने कहा मिश्रा प्रधानाचार्य, एकसरकूटिव कि आज का दिन हमारे द्रस्टी जगार्दिन शर्मा काशी सभी लोगों के बीच मिश्र, प्रदीप श्रीवास्तव, धीरेंद्र विविधाता, बंधुत्व और सिंह, राकेश सिंह तोमर और समानता में एकता के प्रति स्कूल परिवार समेत गणमान्य अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि मौजूद रहे।

रिजर्व पुलिस लाइन्स समागार में ग्राम प्रहरियों के साथ की गई गोष्ठी, साइकिल का किया गया वितरण



प्रखर संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स सभागार में ग्राम प्रहरियों के साथ की गई गोष्ठी, पुलिस विभाग की चौकीदारों को संबोधित करते हुए उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों को बताया गया। गोष्ठी के कर्तव्यों को बताया गया कि चौकीदार पुलिस विभाग की कानून व्यवस्था के दृष्टिगत कार्यक्रम महोदय द्वारा गोष्ठी की गई। पुलिस जनपद के समस्त थाना अधीक्षक महोदय द्वारा क्षेत्रों से आये चौकीदारों को साइकिलों का वितरण हुए। उनके दायित्वों एवं कर्तव्यों को बताया गया। गोष्ठी के कर्तव्यों को बताया गया कि खलीलाबाद श्री ब्रजेश सिंह, क्षेत्राधिकारी यातायात श्रीमती दीपांशी राठोर ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है, सहित अन्य अधिकारी गांव की प्रत्येक छोटी-बड़ी तथा कर्मचारीगण उपस्थित घटनाओं की सूचना थाने पर रहे।

विद्यालयों में गणतंत्र दिवस की रही धूम



प्रखर खेतासराय (जौनपुर)। जो डी कान्वेंट स्कूल खेतासराय में बीएम हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ सालिम मोहिदीन ने ध्वजारोहण किया।

प्रिसिपल डॉ गीता मौर्य, डॉ चंद्रजीत मौर्य ने बच्चों को संबोधित किया। कार्यक्रम में जेनेश दिल्ली छात्र कुमार शाश्वत, कुमार उत्कर्ष, सार्थक मौर्य, कार्तिकेय मौर्य, पत्रकार इंद्रजीत सिंह मौर्य, अतुल मौर्य, जयपाल अधिकारी

प्रधानाध्यापक अधिकारी

